12.03 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

REPORTED WARNING ISSUED *re.* LOCUST INVASION IN RAJASTHAN AND OTHER NORTHERN STATES

श्री शिवनाथ सिंह (झुंझुनू) : मैं लोक महत्व के निम्न विषय की ओर माननीय कृषि मंत्री जी का ध्यान दिलाता हूं और प्रार्थना करता हूं कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :

"राजस्थान और अन्य उत्तरी राज्यों में टिड्डी दल के आक्रमण के बारे में दी गई कथित चेतावनी तथा उसका मुकाबला करने के लिए किए जाने वाले उपाय"

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI F. A. AHMED): In the first fortnight of october 1973 the staff of the Locust Warning Organization under the Directorate of Plant Protection Quarantine and Storage (Ministry of Agriculture) observed several hopper bands in Shahgarh, Kishangarh, Mohangarh and Nachna areas of Jaisalmer District of Rajasthan. Immediate control operations were organized against the hopper bands. In the second fortnight of October 1973 one loose yellow swarm of 4×3 KM in dimensions and two pink locust swarms of newly emerged adults were detected in the same area. Control operations were organized against these swarms at three places of their halting. The entire infested area has been divided into zones and sub-zones and is being carefully surveyed by the locust staff. Small patches of hoppers and concentrations of newly emerged adults were observed at a number of places in the area. These locust populations are being destroyed by dusting with BHC 10 per cent and by spraying with exhaust nozzle sprayers using dieldrin solution. Two Beaver aircraft of the Directorate of Agricultural Aviation started reconnaissance of the area on 21st November, 1973. Aerial spraying with chemicals is in full swing. And whatever locust swarms have been detected so far, have been effectively controlled, by prompt aero-chemical operations.

A number of locust swarms are reported to be present on the Pakistan side of the border. Information has been received through the Food and Agriculture Organization that Pakistan authorities are organizing ground and aerial control operations. Usually locusts migrate westwards to the Mekran desert on the Pakistan-Iranian border towards the end of November. Due to late breeding in Pakistan, there is, however, a likelihood of some of the locusts entering our country. In that case a few locust swarms might invade the northern states of India during the coming months of December and January. The States adjoining Rajasthan like Gujarat, Punjab, Madhya Pradesh and Uttar Pradesh have been warned to keep ready locust control measures.

श्री शिवनाथ सिंह : राजस्थान के किसानों ने पिछली बार भयंकर सूखे का ताण्डव देखा था, अकाल का ताण्डव देखा था। अब इस टिड्डी दल की आशंका ने उनके मानस को झकझोर दिया है। राजस्थान ही नहीं बल्कि सूर्य उत्तर भारत में टिड्डी दलों के आने की आशंकाएं व्यक्त की गई हैं और उससे फसलों को बड़ा भारी खतरा पैदा हो सकता है। मंत्री महोदय ने यह भी बताया है कि कुछ उपाय वे करने जा रहे हैं। मैं समझता हूं कि आज तक जिस प्रकार के उपाय किए हैं इनका मुकाबला करने के लिये वे बहुत संतोषजनक नहीं थे। आपने कहा है कि आपने राज्य सरकारों को निर्देश दिये हैं इन पर नियंत्रण पाने के लिये इनका

[श्री शिवनाथ सिंह]

मुकाबला करने के लिये। आपने कुछ हवाई जहाजों का भी जिक्र किया है, दवाएं छिड़कने का भी जिक्र किया है। मैं आपको अपना जो पिछला अनुभव है उसको बताना चाहता हूं। राजस्थान का समुचा किसान आज इस बात से पीड़ित है कि चाहे कितने भी आश्वासन दिये जायें एक बार अगर टिड्डी दल आ गया तो उनकी फसलों को बरबाद कर के छोड़ेगा। आज तक इंसैक्टिसाइड्ज तथा पैस्टीसाइड्ज की जो स्थिति रही है, जो उपाय किये गये हैं वे कारगर सिद्ध नहीं हुए हैं। पिछले साल कार्तिक महीने में राजस्थान के बहुत से इलाके में पूरी फसल नष्ट इसके कारण हो गई है। तब राज्य सरकार से कहा गया था कि हम नियंत्रण पाने के लिए दवायें भेज रहे हैं। किसानों तक दवाएं नहीं पहुंची। आज मंत्री महोदय ने कहा है कि अक्तूबर के पहले सप्ताह में इस तरह की आंशका पैदा हुई थी कि टिड्डी दल आ सकते हैं और 21 अक्तूबर को रोकने की कार्यवाई शुरू कर दी गई है। अक्तूबर के दूसरे सप्ताह में उनको देखा गया था। आश्चर्य की बात है कि जिन राज्य सरकारों से आप यह अपेक्षा करते हैं कि वे इनकी रोक थाम करें उन राज्य सरकारों की स्थिति को आप देखते ही नहीं हैं। मैं आपको राजस्थान के बारे में बताना चाहता हूं। एक रिपोर्ट राजस्थान के एक प्रमुख दैनिक पत्र राजस्थान पत्रिका में छपी है जिस में यह कहा गया है कि कल यानि 23 तारीख को राज्य के कृषि अधिकारियों ने प्रदेश में टिड्डी दल की आशंकाओं को गलत बताया था। ये कहते हैं कि राजस्थान में कोई टिड्डी दल मौजूद नहीं है। जब राज्य सरकार के पास इस प्रकार की इत्तोला हो और वह इतनी निष्क्रिय हो तो उस हालत में किस प्रकार से आप आशा करते हैं कि वे टिड्डी दलों के जो आक्रमण होंगे उन पर काबू पाने के लिए कारगर उपाय कर सकेगी, उन पर नियंत्रण पा सकेगी। मैं कुछ सवाल मंत्री जी से जानकारी के लिये पूछना चाहता हूं में चाहता हूं कि उनका वे व्यापक जवाब देने की चेष्टा करें ताकि हमें जो आशका है उससे छुटकारा मिल सके।

मैं एक और निवेदन भी कर देना चाहता हूं। पाकिस्तान से राजस्थान की सीमा लगी हुई है। पाकिस्तान और हिन्दुस्तान के बीच का जो बोर्डर है वहां भी बहुत बड़ा टिड्डी दल व्याप्त है। मैं भी उनमें से हूं जो पाकिस्तान की सद्भावना में विश्वास करते हैं। लेकिन फिर भी जहां इस वक्त टिड्डी दल है यदि उनसे पाकिस्तान की फसल नष्ट होने की संभावना नजर नहीं आती है तो वह कोई कारगर ढंग से कार्रवाई करके उनको नष्ट करने को कार्रवाई करेगा, इसमें क्या है।

मैं निवेदन करूंगा कि कृषि मंत्री महोदय मेरी कुछ शंकाओं के बारे में जानकारी दें।

इस संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय कृषि संगठन से क्या मदद ली गई है। वह संगठन अलग अलग देशों में काम कर रहा है। यह खाली भारत सरकार के बूते की बात नहीं है कि वह पाकिस्तान, ईराक या ईरान में व्याप्त टिड्डी दलों को समाप्त कर सके। क्या अन्तर्राष्ट्रीय कृषि संगठन को इस बारे में सूचित किया गया है? अखबारों में आया है कि 5 दिसम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय कृषि संगठन के अन्तर्गत कोई मीटिंग होने वाली है। अगर यह बात ठीक है, तो यह संतोष का विषय है। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या यह खबर सही है। मंत्री महोदय ने अपने स्टेटमेंट में इसका कोई जिक्र नहीं किया है। इस स्टेटमेंट में बताया गया है कि 4 किलोमीटर लम्बा और 3 किलो मीटर चोड़ा टिड्डियों का एक झुंड देखा गया है

और इस बारे में समुचित कार्यवाही की गई है। यदि इस झुंड ने अंडे दे दिये हैं, तो उनको नष्ट करने के लिये कितने बी० एच० सी० पाउडर की आवश्यकता पड़ेगी ? यदि उस झुंड ने अंडे दिये हैं, तो बीस इक्कीस रोज बाद उनके जमीन से बाहर निकलने की सम्भावना है। मैं यह जानना चाहता हु कि इतने लम्बे-चौड़े क्षेत्र में अंडों को नष्ट करने के लिये दवाई का क्या, और कहां, प्रबंध किया गया है।

मंत्री महोदय ने कहा है कि इस क्षेत्र को जोन्ज और सबजोन्ज में बांट दिया गया है। मैं यह जानना चाहता हूं कि उन जोन्ज और सबजोन्ज को किन अधिकारियों के जिम्मे सौंपा गया है। यह देखा गया है कि पटवारी और ग्रामसेवक तक आदेश और परिपत्र जाते हैं, लेकिन वे किसी भी काम को करने की स्थिति में नहीं होते हैं। अगर क्लेक्टर लेवल के अधिकारियों को इन जोन्ज और सबजोन्ज के लिये जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है, तो फिर यह स्पष्ट है कि यह पटवारी और ग्रामसेवक के बूते के बाहर की बात है।

मंत्री महोदय ने कहा है कि पाकिस्तान ने भी इस टिड्डी दल को समाप्त करने के लिये कार्यवाही की है। क्या उनके पास इस प्रकार की जानकारी है कि पाकिस्तान में कितने बड़े क्षेत्र में टिड्डी दल व्याप्त है, कितने बड़े क्षेत्र में उस पर काबू पा लिया गया है, क्या वहां भी टिड्डियों ने अंडे दिये हैं, आदि, हो सकता है कि पाकिस्तान अपने क्षेत्र में टिड्डी दल को समाप्त कर दे। लेकिन वहां जो फिनोमिनन हो गया है, उसको कंट्रोल करने के लिये पाकिस्तान द्वारा क्या कदम उठाये गये

हैं, क्या सरकार को इस बारे में कोई जानकारी मिली है ?

मंत्री महोदय ने कहा है कि दिसम्बर या जनवरी के महीनों में हिन्दुस्तान के एक क्षेत्र में पाकिस्तान से टिड्डी दल आ सकता है। मैं यह जानना चाहता हूं कि उसके कौन कौन से क्षेत्रों में आने की सम्भावना है और यहां आने पर उसको कंट्रोल करने के लिये सरकार ने क्या उपाय किये हैं, उस आक्रमण को रोकने के लिए कितने बी० एच० सी० पाउडर या अन्य दवाइयों की आवश्यकता पड़ेगी और उनको कहां तक स्टोर कर लिया गया है। बिना बी० एच० सी० पाउडर के टिड्डी दल को कंट्रोल नहीं किया जा सकेगा और राजस्थान के किसानों को राहत नहीं दी जा सकेगी।

SHRI F. A. AHMED: I would in the first place like to remove the wrong impression which the hon. Member has got that no action has been taken by us till late in the month of November. As I have said already in my statement, the earliest action was taken by us in the first fortnight of October and later in the second fortnight of October also, and after the action which we had taken, we have the information that whatever locust swarms were visible near our border areas have been completely controlled and there is no danger whatsoever.

We are not only content with taking necessary action in those areas, but we have also been surveying whether there is any chance of the locusts coming into any part of our country. For that purpose, two aircraft have started reconnaissance of the area from 21st November, and as a result of this reconnaissance, if we find that any action has to be taken, that action will be taken and we shall see that that is controlled.

[Shri F. A. Ahmed]

The hon. Member had asked whether we had sufficient amount of pesticides or other necessary things to control the pests. I can assure the hon. Member that we have sufficient quantity of dieldrin to control the locust invasion and the pest.

I would like to inform the hon. Member also of the fact that the areas which are invaded by locusts have been divided under two areas, the scheduled desert area and the cultivated area. So far as the scheduled desert area is concerned, the responsibility is entirely of the Central Government to see that in that area the locusts are controlled by the activities of the Central Government, and, therefore, action will be taken by us, and we shall not leave it to the State Government, whether it be that of Gujarat or Rajasthan or Punjab; we shall see that the locusts are controlled by the Central Government. Therefore, we have given a warning to them that in case any locusts come from those areas and attack, and invade States like Gujarat or Rajasthan or Punjab, they should also be vigilant to take necessary action, and necessary instructions have been issued for that purpose.

The hon. Member has raised a very pertinent question that there is a no-man's-land between our border and the Pakistan border, which is 5 k.m. on our side and 5 k.m. on their side. Action has to be taken in that area also so that the locusts may not affect the areas in Rajasthan on the border with Pakistan. We have taken necessary action. A meeting is going to be held at Rome between our representatives and those of Pakistan, and with the assistance of the international organisation we shall see that that area is also covered so that there may be no possibility whatsoever of locusts coming from those areas to our area, and I think effective action will be taken as a result of this meeting which has been arranged in Rome where our representatives will go and place our difficulties and discuss how action is proposed to be taken in that matter.

Therefore, I would like to assure the hon. Member that we are very watchful. So far, no damage has been done because whatever locust swarms were visible were in the desert area and they did not cross that area to the area where there was cultivation. So, no damage has been caused. We are watchful and we shall see that they are not allowed to cross the desert area and affect the crops in our country, whether they be in Rajasthan or Gujarat or any part of Punjab or UP.

SHRI SHIVNATH SINGH: I had raised some very specific questions for which he has not given the answer. The hon. Minister had said that the area had been divided into zones and sub-zones. Who is the officer in charge of each of these zones? I had also asked whether eggs had been laid in the 4 k.m. $\times$3 k.m. area, and what quantities of pesticides would be required to meet the same.

MR. SPEAKER: The hon. Member can ask only one question under the rules. So, he cannot say that there were specific questions. Let him not say every time that there were so many questions. According to the rules, he can ask only one question. He must cover up everything in one question, and why should he leave it to me to cover it up myself?

SHRI F. A. AHMED: I would like to inform the hon. Member that so far as Rajasthan is concerned, it is a very difficult area. We have divided it into four circles and these have been divided into ten zones. In ten zones, there are 30-40 outposts. They are taking necessary action. Whether there is any chance of locusts coming there or not, necessary action has

been taken. It is taken by my department, by my organisation, which is responsible for preventing any locust invasion of our country.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN (Tellicherry): I have heard the statement and also the reply given by the Minister. It seems that the Minister has tried to under-estimate the danger of locust invasion. Every year in our country even when there is no locust invasion, we are losing 20 per cent of our crops worth about Rs. 1,000 crores. This time, over and above that, there is going to be a locust invasion which may perhaps upset all the calculations about a bright crop in the coming season.

The reason, as I understand it, is that we use very little pesticide to control the pests which are harmful to our crops. I found yesterday from official reports comparative figures of pesticide used. We are using pesticide worth Rs. 1.50 per hectare whereas the US uses Rs. 35 worth of pesticide and Japan Rs. 100 worth of pesticide. This is the state in which we are controlling the pest.

Coming to the locust invasion, we have got the report. According to the Minister himself, locusts were found in the desert of Rajasthan in the second half of last month. Now they have started spreading to other parts of the country. It seems that a locust can fly 1,000 miles from the place where it is bred. It is also understood from the reports of experts that it should be controlled at the egg stage itself. I think Government have failed in doing that. Government are now trying to control it when it is invading the plains of the North Indian States.

I also fail to understand what prevented the Government, instead of waiting for a conference which will be held in Rome next month on the 5th, from establishing direct contacts with the Government of Pakistan to fight this enemy which is the common enemy of both India and Pakistan. It is not something unusual I am asking. Even after the last war when there was a serious flood situation in our borders, both India and Pakistan took joint steps to deploy their personnel to fight the floods in that part of the sub-continent. Today the Minister says that next month, when locusts will already attack our country and destroy crops, they will go to Rome to have a meeting. Why did not Government take this matter up with the seriousness it deserved and approach the Government of Pakistan for joint action so that the locust control could have been more effective?

SHRI F. A. AHMED: I do not know what justification the hon. Member has to feel that no suitable action has been taken by us to control the invasion of locusts in our area. I have already pointed out to him that it was not anyone else pointing out but our own organisation pointing out that such locusts are likely to invade our area. Since 1968, there has been no locust invasion and also there has been no locust breeding. We are very watchful and very careful about it and when we saw that there was a possibility we took immediate action in order to see that they are prevented from coming to our areas. What I am saying is that there may be some possibility of these locusts having some place in those border areas and therefore we are taking the precaution and therefore we are meeting Pakistan also so that on their side they may take necessary action. As I have already pointed out, our information is that Pakistan is also taking necessary action on their own side. In order to be more certain, we are meeting Pakistan and will see that suitable action is taken in the areas which are called no-man's land so that the locusts may not be allowed to have places from where they can attack our areas. I can assure the hon. Member that there is no danger of the locusts coming to our side.

श्री मान सिंह भौरा (भटिंडा) : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बता तो दिया है और उधर से भी कहा गया है कि कोई डेंजर नहीं है। डैंजर आपको तो नहीं है, हमको जरूर है क्योंकि हम जहां पर बैठे हुये हैं सबसे पहले टिड्डी दल वहां पर आयेगा। आपको यहां पर पता नहीं रिपोर्ट कौन करेगा? एक तरफ तो आपने यह कहा है कि ना देने जोन में आ रहा है, यह आप की ही रिपोर्ट है, शिन्दे साहब का कोई बयान है और दूसरी तरफ आप कह रहे हैं कि कोई डैंजर नहीं है। अब पता नहीं वह ठीक हैं या आप ठीक हैं, यह तो आप जानें। मगर हम समझते हैं कि पंजाब में अगर वह टिड्डी दल आ गया तो हमारी तो फसलें खराब हो जायेंगी, लोगों का नकसान हो जाएगा और लोग भूखें मर जाएगें। अब तो हम बाहर को अनाज भेजते हैं, तब फिर बाहर से मंगाएगें। आप का फिर क्या होगा, आप की ट्रेन को कोयला नहीं मिलेगा, ट्रन दूसरी जगह से आएगी नहीं। तो आप फिर से देख लीजिए। इसलिए मिनिस्टर साहब यह कह कर इस से छुटकारा नहीं ले सकते कि कोई डैंजर नहीं है जबकि अखबारों में छपा है कि पाकिस्तान में वह टिड्डी दल ऐक्टिव है और वह किसी समय भी यहां आ सकता है। तो आप कैसे उसको रोक लेंगे? आप के पास कौन से उपाय हैं जिन से आप उन को रोक सकें।

दूसरे मैं यह जानना चाहता हूं कि जो वह अंडे दे जाते हैं, बच्चे होते हैं वह तो बहुत देर तक नुकसान करते हैं। तो उन के लिए आप ने कौन से उपाय किए हैं कि जो बच्चे दिए हैं उन को कैसे मारें? उन को मारने के लिए कौन से उपाय आप इस्तेमाल करेंगे?

श्री फखरुद्दीन अली अहमद : अगर आपने स्टेटमेंट गौर से पढ़ा हो तो उस से मालूम होगा कि जहां तक लोकस्टस का ताल्लुक है अभी तक हमारे डेजर्ट एरिया में वह देखे गए थे और वहां किस तरह से उन को मारा जाए या किस तरह से उन को खत्म किया जाए ताकि वह आगे न बढ़ सकें उस का पूरा पूरा इन्तजाम किया गया है। लेकिन उसी के साथ साथ हम ने यह भी कहा है कि जब इस किस्म का डेंजर है तो हम को सब जगह जरा चौकन्ना रहना चाहिए और जहां भी वह नजर आएं तो हम को इत्तिला देनी चाहिए और गवर्नमेंट को भी स्टेप्स लेने चाहिए जिस से वह आगे न बढ़ें। और मैंने यह कहा कि जहां तक पाकिस्तान का ताल्लुक है हम ने यह सुना है कि पाकिस्तान भी इस के मुताल्लिक अपने इलाके में कार्यवाही कर रहा है और लोकस्ट्स को पेस्टिसाइड् के जरिए रोकने वगैरह की कोशिश कर रहा है। लेकिन हम यह समझते हैं कि जो मूवमेंट है उस एरिया में भी अगर कोई ऐसी जगह हो कि जहां लोकस्ट्स छिप कर अण्डे और बच्चे वगैरह दे कर फैल सकते हैं तो वहां भी किस प्रकार से कार्यवाही की जाय उस के लिए हम इंतजाम कर रहे हैं। इस के लिए इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन, हमारा सेंट्रल आर्गेनाइजेशन और पाकिस्तान का आर्गेनाइजेशन सब विजिलेंट हैं और चाहते हैं कि इस को रोका जाये।